



Gunjan

11 Jul 1990

Model: Numerology-Report

Order No: 121052301

# अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121052301

Date: 25/01/2026

नाम	Gunjan
जन्म तिथि	11/07/1990
मूलांक	2
भाग्यांक	1
नामांक	3
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	सूर्य
नामांक स्वामी	गुरु
मित्र अंक	7, 9, 1
शत्रु अंक	5, 8
सम अंक	3, 4, 6
मुख्य वर्ष	2000,2009,2018,2027,2036,2045,2054,2063
शुभ आयु	10,19,28,37,46,55,64,73
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

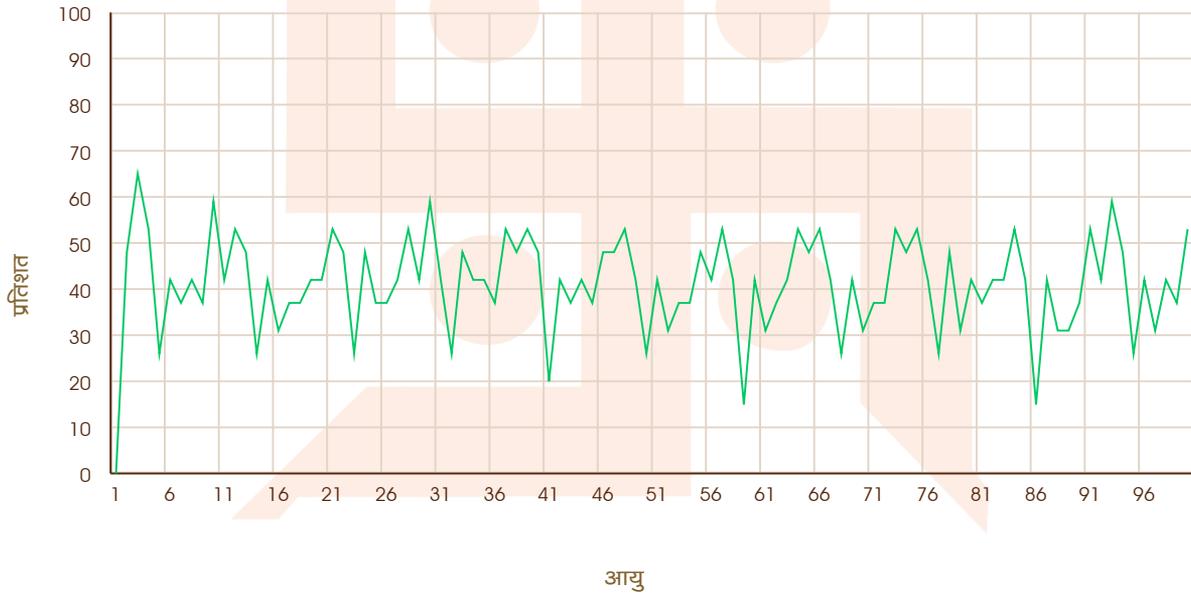
**Ankijotish Insights**

Hyderabad Telangana India

7995233535

## अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2000,2009,2018,2027,2036,2045,2054,2063

शुभ आयु 10,19,28,37,46,55,64,73

## अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 11 है। एक एवं एक का जोड़ दो आपका मूलांक है। एक का स्वामी सूर्य एवं दो स्वामी चन्द्र है। इन दोनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके व्यक्तित्व में रहेंगे। आप अनुशासन पसन्द महिला होंगी एवं अपने नाम पर धब्बा नहीं लगायेंगी। समाज में आपकी इज्जत होगी। नाम एवं यश प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रभाव से नियमितता रहेगी। चन्द्र प्रभाव कभी-कभी मनको चंचल भी करेगा उससे बचना हितकर रहेगा अन्यथा सफलता के स्थान पर कई बार चन्द्र प्रभाव असफलता भी दे देगा। संघर्ष करना आपकी आदत बन जायेगी। अतः कभी आप एकदम उच्चता प्राप्त करेंगी तो कभी आपको थोड़ा झुकना भी पड़ेगा।

बौद्धिक स्तर आपका अच्छा रहेगा एवं ऐसे कार्य जिनमें बुद्धि का प्रयोग अधिक होता हो आपके लिये शुभ रहेगा। असफलताओं से आप निराश नहीं होंगी, क्षीण तो होंगी फिर भी हिम्मत नहीं हारेंगी और एक दिन फिर सूर्य की तरह प्रकाशित होंगी।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं क्रोध भी शीघ्र आ जाया करेगा। इन अवगुणों से बचना आपके लिये हितकर रहेगा। आपको ऐसे क्षेत्रों का चुनाव करना हितकर रहेगा, जहाँ अत्यधिक परिवर्तनशीलता न हो। सामान्य कामकाज जिन क्षेत्रों में रहे, वह आपके लिये शुभ रहेंगे। विशेष कर बुद्धि विवेक के कार्य अधिक योगप्रद रहेंगे।

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

आपका मूलांक 2 है तथा भाग्यांक 1 है। मूलांक 2 के स्वामी चंद्रमा का भाग्यांक 1 के स्वामी सूर्य से सम संबंध है। इस कारण आपको इन दोनों ही अंकों के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। आपका जीवन चक्र एक ओर सूर्य कि तरह चमकेगा, वहीं दूसरी तरफ चंद्रमा के समान घटता-बढ़ता रहेगा। कभी आपका भाग्य उच्चतम शिखर पर पहुंचेगा, तो कभी आप अंधकार में जीवन जीने को बाध्य होंगी। चंद्रमा के गुणों के कारण आपमें अच्छी कल्पनाशीलता

रहेगी एवं यदि आप अपने विचारों को दृढ़ इच्छा शक्ति से पूर्ण करेंगी, तो आपको निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी। रुकावटों, कठिनाइयों को धैर्यपूर्वक पार करने की हमेशा कोशिश करें।

मूलांक 2 तथा भाग्यांक 1 के प्रभाववश आपका भाग्योदय 19 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होकर 28 वर्ष के अवस्था पर उच्च स्थिति तथा 37 वें वर्ष में पूर्ण भाग्योदय का लाभ प्राप्त होगा।

आपके मूलांक 2 की मित्रता 7 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 1 की मित्रता 4 एवं 8 से है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 7, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जुलाई, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटना क्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 7, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
- 9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

## नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

**Gunjan**

**3+6+5+1+1+5**

**नाम का योग : 21 नामांक : 3**

आपके नाम का कुल योग इक्कीस बनता है। दो एवं एक के योग से आपका नामांक तीन होता है। नामांक तीन का स्वामी गुरु एवं दो का स्वामी चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। आप एक अनुशासन प्रिय महिला रहेंगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में सूर्य के समान प्रकाशित होंगी। लेकिन कभी-कभी चन्द्र के प्रभाव से अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। आप बुद्धि जनित कार्यों में अधिक रुचि लेंगी। लेखन, पठन-पाठन, भाषण ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। तीनों ग्रहों के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगी एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

आपके नाम का नामांक 3 है। इसका आपके मूलांक 2 एवं भाग्यांक 1 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहती हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित कर ले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहती हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 2 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगी। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 4,7,9,1 अंक शुभ रहेंगे तथा 6,8 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा

नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

**A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z**

**1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7**

**उदाहरणार्थ:-**

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

## लोशु फल

	9 9	2
4	9	2
		7
3	5	7
	1 1	
8	1 1	6

### लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

### अंक 1 - चार बार

आपके लोशु चार्ट में एक अंक चार बार उपस्थित है। जिस कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में मौखिक रूप से कठिनाई का अनुभव करते हैं। आप कोमल हृदय व दूसरों का ध्यान रखने वाले हैं लेकिन आपके विषय में दूसरों को बहुधा मिथ्या बोध होता है। तनावमुक्त रहने में भी आपको कठिनाई का सामना करना पड़ता है, आपके लिए आराम करना मुश्किल होता है। आप लोग अधिक लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। भय, वहम एवं परिवर्तनशील स्वभाव के कारण कभी-कभी आपकी पढ़ाई में रुकावट आते हुए भी देखा गया है जिसके कारण पढ़ाई बीच में ही रह जाती है। यानी कि आप इच्छा अनुसार योग्यता न प्राप्त कर पाने के कारण शिक्षा को लेकर असंतुष्ट भी रहते हैं। स्वतंत्र रूप से कार्य करने से अधिक लाभ होते नहीं देखा गया है। यदि आप कहीं नौकरी करते हैं तो आपके लिए ठीक रहता है। आप औरों की बनाई योजना

को बखूबी पूरा कर सकते हैं हालांकि आप भी अच्छे योजनाकार हो सकते हैं लेकिन अपनी योजना को पूर्ण रूप से अमल में लाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल होता है।

### अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित हैं। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूड़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

### अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

### अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी

सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

### अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

### अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

### अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप

अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

### अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

### अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान्य मेल-जोल रखें।

### अव्यवस्था के अंक - 8. 3 व 4

आपके लोशु चार्ट में 8. 3 व 4 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप दूरदर्शी, विचारक, क्रमबद्ध व व्यवस्थित नहीं होते हैं। आप लम्बे अर्से कि योजनाएं न बनाकर अपना सामान्य जीवन जीते हैं, और योजना बनने पर आप उसकी सफलता से पूर्व ही उसमें कोई विगाड़ पैदा कर देते हैं। अनुशासन में यह कठोर होते हैं, इस कारण आपके साथ कार्य करने वाले अथवा आधीन सेवा करने वाले आपके विरोधी बन जाते हैं। आपका स्वास्थ्य पक्ष थोड़ा कमजोर ही रहता है, दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। भय,

वहम एवं परिवर्तनशील स्वभाव के कारण कभी-कभी आपकी पढ़ाई में रुकावट आते हुए भी देखा गया है। जिसके कारण पढ़ाई बीच में ही रह जाती है। यानी कि आप इच्छा अनुसार योग्यता न प्राप्त कर पाने के कारण शिक्षा को लेकर असंतुष्ट भी रहते हैं। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, नौकरी में आपको कई बार हानि भी उठानी पड़ती है। कई समस्याओं और उलझनों का सामना करना पड़ता है।

#### शंका के अंक - 4, 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4, 5 व 6 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप शंकालु, सनकी व चिड़चिड़े होते हैं, आप व्यग्र, जोखिम भरे साहसिक कार्य करने वाले, तथा कामुक प्रवृत्ति के होते हैं। आपमें बदले एवं पच्छतावे की भावना अधिक होती है, चिंता करना आपका स्वभाव होता है। और आप जीवन के ऋणात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। आप ऐसे व्यक्ति का परिचायक हैं, जो अंधेरे में रहने का आदि हो, और दिन के प्रकाश में कम निकलता हो, आप लोग जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने से डरते हैं। आपको जीवन में उतार-चढ़ाव, निराशा एवं दुःख का सामना करना पड़ता है, इसके लिए आप स्वयं उत्तरदाई होते हैं क्योंकि आप लोग दूसरों से अपेक्षा से अधिक आशा कर लेते हैं। आप परिवार एवं दोस्तों का काफी ख्याल रखते हैं, तथा आप अपने नजदीकी लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कई बार आप सनकी और उन्मादी भी हो जाते हैं, जिसके कारण कई बार प्रियजनों से आपको समस्या भी हो जाती है।

#### जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

#### पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक

प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

### काष्ठ तत्व अंक - 3, 4 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपनी मर्जी के मालिक एवं चीजों को सहजता से लेने वाले होते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है। जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है। विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। और जीवन में बड़े बुजुर्गों, पिता का, बड़े भाई का सहयोग नहीं मिलता।

### धातु तत्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी

से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

### अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

## अंक ज्योतिष उपाय विचार

### अनुकूल समय

सूर्य 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। कर्क राशि चंद्रमा की स्वयं की राशि है। 13 मई से 14 जून तक सूर्य वृष राशि में होता है, जो कि चंद्रमा की उच्च राशि है। अतः यह समय मूलांक दो के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

### अनुकूल दिवस

आपके लिए कोई भी नया या शुभ कार्य करने हेतु सोमवार, शुक्रवार तथा रविवार के दिन अच्छे सिद्ध हो सकते हैं। यदि इन्हीं वारों में आपके मूलांक की तारीख भी हो तो ऐसा दिन सभी कार्यों के लिये अच्छा रहेगा।

### शुभ तारीखें

जब कभी आपको कोई महत्वपूर्ण कार्य करना हो, नया कार्य या व्यापार प्रारंभ करना हो, अथवा किसी को विशेष पत्र लिखना हो या किसी से विशेष कार्यवश मिलने जाना हो तो आप किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को ये सारे कार्य करें। यदि इन तारीखों में आपका अनुकूल वार भी रहता है तो ऐसा दिन आपके कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा।

### अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी मास की 5, 8, 14, 17, 23 एवं 26 तारीखें कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए ठीक नहीं रहेंगी। अतः इन तारीखों में सोच-समझ कर ही कोई शुभ कार्य करें।

### मित्रता या साझेदारी

किसी से भी मित्रता करते समय यह देखना आपके हित में रहेगा कि यदि उसका जन्म अंग्रेजी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसे व्यक्ति आपके लिए हितकारी सिद्ध हो सकते हैं।

### प्रेम संबंध एवं विवाह

आपके लिए मूलांक 2, 7 एवं 9 प्रभावित महिलाएं अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। आपको चाहिए कि आप इन्हीं मूलांक वाली महिलाओं से मित्रता इत्यादि रखें, या ऐसी महिलाएं जिनका जन्म किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसी महिलाएं हमेशा आपके अनुकूल रहेंगी।

## अनुकूल रंग

आपको अपने वस्त्रों का चुनाव करते समय सफेद, काफूरी, हरा एवं अंगूरी रंगों का उपयोग अधिक मात्रा में करने पर वांछित लाभ प्राप्त होंगे। हो सके तो आप अपने कमरे के पर्दे, चादर, तकिया इत्यादि में इन रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन रंगों का रुमाल तो हमेशा अपने पास रखना आपके लिए विशेष लाभप्रद रहेगा।

## वास्तु एवं निवास

आपके लिए उत्तर-पश्चिम में वायव्य कोण स्थान में रहना शुभ रहेगा। जिस क्षेत्र में आप रहते हों, यदि वह वायव्य कोण में स्थित होगा तो अधिक अनुकूल रहेगा। मकान के नंबर का योग यदि 2, 7, या 9 आता हो तो ऐसा भवन आपके लिए अधिक सुविधाजनक रहेगा।

## शुभ वाहन नं

आपके वाहन के पंजीकरण हेतु अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना अच्छा रहेगा। आपका मूलांक 2 होने से आपके शुभ अंक 2,7,9 रहेंगे। यहां आपके वाहन इत्यादि के पंजीकरण क्रमांक के शुभ अंक भी रहेंगे, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5231=2 इत्यादि। यात्रा के वाहनों में भी इन अंकों का उपयोग करें, जिसके फलस्वरूप आपकी यात्रा सुखमय रहेगी। अगर आप होटल आदि में कमरा इत्यादि लेते हैं तो उसके लिए भी यही नंबर 2,7,9 इत्यादि लें, जैसे कमरा 101 = 2। तभी आपके लिए वह कमरा अच्छा साबित होगा।

## स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको कमजोरी, क्षीणता, उद्वेग, मस्तक पीड़ा, छोटी-छोटी दुर्घटना, हृदय रोग, संवेदनशीलता, भावुकता, स्नायु दुर्बलता, कब्ज, आंत रोग, मूत्र रोग, गैस रोग इत्यादि होंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शिव उपासना पर बल देना चाहिए।

## व्यवसाय

आपके लिए रोजगार-व्यापार हेतु ये क्षेत्र अनुकूल रहेंगे, जैसे द्रव्य पदार्थ, तैलीय कार्य, समुद्र यात्रा, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, पशु व्यवसाय, चीनी मिल, अन्न का व्यवसाय, तैराकी, रसपूर्ण पदार्थ, दूध, दही, घृत, कागज, जल, कृषि एवं चीनी के व्यवसाय एवं औषधि विक्रेता, भ्रमण कार्य, एजेंट, प्रतिनिधित्व, संपादन, लेखन, संगीत, अभिनय, नृत्य, भूप्रबंध, मकानों की ठेकेदारी, चिकित्सा, मोती, हार, मणि, माणिक्य, रत्न इत्यादि का क्रय विक्रय, पत्थर व भूगर्भ इत्यादि के कार्य।

## व्रतोपवास

जिस दिन सोमवार को चित्रा नक्षत्र हो उस दिन से चंद्रमा का व्रत प्रारम्भ करें। विधान के अनुसार 54 सोमवार तक अथवा न्यूनतम सात सोमवार व्रत आवश्यक है। व्रत के

दिन श्वेत वस्त्र धारण करें एवं श्वेत वस्तुओं का दान करें तथा चंद्रमा के मंत्र का यथा शक्ति, मोती की माला पर जप करें।

### अनुकूल रत्न या उपरत्न

पांच रत्ती मोती आपके लिए प्रमुख रत्न है। यदि आप मोती धारण ना कर सकें तो मूनस्टोन, चंद्रमणि, दूधिया हकीक, सोमवार की सुबह दायें हाथ की कनिष्ठा अंगुलि में, चांदी की अंगूठी में जड़वा कर लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में धारण करें।

### अनुकूल देवता

आप चंद्रोपासना करें अथवा भगवान शिव की आराधना करें। भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र ओम् नमः शिवाय का नित्य जप करें। प्रति सोमवार को कम से कम इक्कीस या एक सौ आठ बेल पत्र भगवान शिव को अर्पित करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों से समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान शिव के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

### ग्रह गायत्री मंत्र

आपको चंद्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु चंद्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

चंद्र गायत्री मंत्र - अमृतांगाय विद्महे कलारूपाय धीमहि तन्नः सोमः प्रचोदयात् ॥

### ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप चंद्र का ध्यान करें, मन में चंद्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

दधि शंख तुषाराभं क्षीरोदारणव संभवम्।  
नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोमुकुटभूषणम् ॥

### ग्रह जप मंत्र

अशुभ चंद्र को अनुकूल बनाने हेतु चंद्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ श्रौं श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः ॥ जप संख्या 13000 ॥

### वनस्पति धारण

आप सोमवार के दिन एक इंच लंबी खिरनी की जड़ ला कर, सफेद ऊन के धागे में लपेट कर, गले या दाहिने हाथ में बांधे, स्वर्ण या तांबे ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे चंद्र ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

## वनस्पति स्नान

आपके प्रत्येक सोमवार को एक बाल्टी या बर्तन में पंच गव्य-चांदी, मोती, शंख, सीप और कुमुद आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ चंद्र का प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

## दान पदार्थ

चंद्र की शांति हेतु योग्य व्यक्ति के लिए चंद्र के पदार्थ, चावल, कपूर, सफेद वस्त्र, चांदी, शंख, वंशपात्र, सफेद चंदन, श्वेत पुष्प, चीनी, वृषभ, दधि, मोती आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

## यंत्र

चंद्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु चंद्र यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, चांदी की जंजीर या लाल धागे में, सोमवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।